काकतीय विश्वविद्यालय, वरंगल

एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र एक:- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई-1 आदिकाल एवं मध्यकाल की सामाजिक, राजनैतिक साहित्यिक परिस्थितियाँ...
पृथ्वीराज रासो - चन्दबर दायी
(पद्मावती समय)
संपादक - हजारी प्रसाद व्दिवेदी

इकाई-2 विद्यापति पदावली प्रथम 25 पद
संपादक - रामकृष्णवेणीपुरी
जायसी - पद्मावत (नागमति विरहखंड)
संपादक - राम चन्द्रशुक्ल

इकाई-3 कबीरदास - कबीर ग्रन्थावाली
संपादक - श्याम सुन्दरदास - अशोक प्रकाशन नई दिल्ली
गुरुदेव कै अंग - पथम 10
सुमिरण कैअंग - पथम 10
विरह कै अंग - प्रथम 10
ग्यान विरह कै अंग - पथम 10
परचा कै अंग - प्रथम 10
पद-प्रथम 25
तुलसीदास - रामचरित मानस - सुन्दर कांड
गीता प्रेस - गोरखपुर

इकाई-4 सूरदास - भ्रमरगीत सार.....(प्रथम 30 पद)
संपादक - रामचन्द्रशुक्ल
बिहारीलाल - बिहारी सतसई (प्रथम 30 पद)
संपादक - श्रीराम लोचन सहरू - पुस्तक भंडार सातना

इकाई-5 दृतपाठ:
अमीर खुसरो, दादूदयाल, रैदास, रहीम, मीराबाई, नन्ददास, रसखान, भूषण
(इनमें से लघु प्रश्न पूछे जायेंगे)

<u>सन्दर्भ सहित व्याख्या</u>
कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, विहारीलाल

एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष

प्रश्नपत्र - दो

हिन्दी साहित्य का इतिहास

इकाई-1 इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास
हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन की परंपरा
हिन्दी साहित्य का काल विभाजन सीमा निर्धारण और नामकरण
आदिकाल की पृष्ठ भूमि, सिध्दि और नाथ-साहित्य, रासो काव्य

इकाई-2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य,
साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य धारणायें
पूर्व मध्यकाल (भकितकाल)की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
साँस्कृतिक चेतना, भक्ति आन्दोलन, विभिन्न काव्य
धारायें तथा उनका वैशिष्ट्य
निर्गुण काव्यधारा-ज्ञानमार्गी काव्य,प्रमुख कवि और उनका योगदान
प्रेम मार्गी काव्य - भारत में सूफी मत का विकास, प्रमुख सूफी कवि - और काव्य ग्रन्थ
सूफीकाव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकज्ञान के तत्व काव्य

इकाई-3 राम काव्य और कृष्ण काव्य
राम काव्य:- } प्रमुख कवि और उनका रचनागत
कृष्ण काव्य:- } वैशिष्ट्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य
उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि, काल, सीमा
और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की
परंपरा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धारायें से,
(रीतिबध्द, रीतिसिध्द, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ,विशेषतायें,
प्रतिनिधि रचनाकार, रचनायें, रीतिकालीन गद्य साहित्य

इकाई-4 आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं
साँस्कृतिक पृष्ठभूमि, 1857 की राज्यक्रन्ति और पुनर्जागरण
भारतेन्दुयुग-प्रमुख साहित्यकार, रचनायें और साहित्यिक वैशिष्ट्य

व्दिवेदी युग - प्रसुख रचनाकार, रचनायें और साहित्यिक वैशिष्ट्य
छायावादी काव्य की साँस्कृतिक पृष्ठभूमि,
छायावादी काव्य - प्रमुख कवि, रचनायें और साहित्यिक विशिष्टतायें।

इकाई-5 छायांवादोत्तर काव्य-धाराएं ,
प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नव गीत, समकालीन -
कविता - प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ
- हिन्दी गद्य की प्रमुख विधायें और उनका विकास (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध,आलोचना, संस्मरण, रेखा-चित्रष, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज)

इकाई-6 - दक्खिनी हिन्दी साहित्य का परिचय
- उर्दू साहित्य का परिचय

प्रत्र - III

आधुनिक-गद्य साहित्य

इकाई-1 अधिुनिक हिन्दी गद्य का विकास

इकाई-2 नाटक
स्कन्दगुप्त - जयशंकर प्रसाद
आषाड़ का एक दिन - मोहन राकेश

इकाई--3 निबन्ध संकलन- क्रोध । (महावीरप्रसाद व्दिवेदी) श्रध्दा और भक्ति । (रामचन्द्रशुक एक कुत्ता और एक मैना । (ह.प्र. व्दिवेदी) जमाखोर की क्रान्ती । (हरिशंकर परसाई राष्ट्रीय निर्माण के मुध्दे । (विद्यानिवास मिक्ष) मजदूरी और प्रेम (सरदारपूर्ण सिंह) पथ के साथी - महादेवी वर्मा (तीन या चार निबंध चुने जाएंगे), प्रणाम - रवीन्द्रनाथ ठागुर, सियारामशरण गुप्त, मैथिली शरण गुप्त, सुभद्रा कुमारी चौहान.

इकाई-4 बाण भट्ट की आत्मकथा
कहानी संकलन - 1. नशा (प्रेमचन्द) 2. प्रत्नी (जैनेन्द्रकुमार) 3. विराम चिह्न (जयशंकर प्रसाद) 4. परदा (यशपाल) 5. हिन्दू या मसलमान (धर्मवीर भारती) 6. वापसी (उषा प्रियंवदा) 7. उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी)

इकाई-5 लघु प्रश्न (दृतपाठ)
नाटककार - भारतेन्दु, रामकुमार वर्मा
उपन्यासकार - बालशौरी रेड्डी, जैनेन्द्र
निबन्धकार - श्यामसुन्दर दास, नगेन्द्र
कहानीकार - भीष्म सहानी, मन्नुभंडारी

सन्दर्भ - स्कन्दागुप्त, आषाढ़ का एक दिन
गोदान, बाणभट्ट की आत्मकथा

प्रत्र - IV

अनुवाद और (प्रयोजनमूलक हिन्दी)

इकाई - 1 अनुवादसिध्दान्त

अनुवाद:- व्युत्पत्ति, अर्थ, इतिहास, परिभाषाएं, अनुवाद का महत्व, अनुवाद कला या विज्ञान? अनुवादक के गुण, अनुवाद के प्रकार

परिभाषिक शब्दावली परिभाषा, प्रकार, महत्व, परिभाषिक शब्दावली शब्दों का निर्माण: विविध संप्रदाय - ज्ञान, विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की 400 पारिभाषिक शब्दावली ।

इकाई-2 प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता और विविध विधाओं का विकास.

हिन्दी के विविध रुप - सर्जनात्मक भाषा, समाचार भाषा,

राष्ट्र भाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, मातृभाषा

इकाई-3 पत्रकारिता का स्वरूप एंव विभिन्न प्रकार, पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास

इकाई-4 मीडिया लेखन जनसंचार प्राद्योगिक एंव चुनौतियां, विविध समाचार माध्यमों का स्वरुप - मुद्रण, श्रव्य, दृष्य, इंटरनेट

इकाई-5 दृष्य श्रव्य माध्यम (फिल्म, दूरदर्शन, वीडियो) दृष्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, पार्श्वावोचन, पठ कथा लेखन (Teledrama) संवाद लेखन, विज्ञापन की भाषा, ईटरनेट - सामग्री सृजन

इकाई-6 समाचार लेखन कला, शीर्षक संपादन, संपादकीय लेखन पृष्ठ सज्जा शास्त्रकार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस, प्रबंधन प्रमुख प्रेस कानून और आचार संहिता कार्यालयीन हिन्दी - सरकारी पत्राचार: विविध रूप

Paper - V

Computers Theory and Applications

Unit-I

Evolution of Computers, Types of Computers,
Computer Languages, Software - Hardware
firmware-Block Diagram.
Storage Devices, Memory - Secondary Memory Devices, I/O Devices.
Operating System

Unit-II

Dos Commands: Internal and External - Windows
General Structure and usage must be Taught
MS-Office - An over view - MS-Word features - Clip board

Unit-III

Text - features - Tables - Spell Check
Other features - Mail Merge
Microsoft Excel, Spread Sheet, Worksheet

Unit-IV

Memo Printing, Organizing Data
Text Processing, Linking Data, Macros Files

Unit-V

Preparation of Text, Inter action with any
Text Editor of Hindi and Telugu

Text books 1) PC Software - Taxali

2) PC Software by Taxali

काकतीय विश्वविद्यालय
एम.ए (हिन्दी) - द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र - 6
(आधुनिक हिन्दी काव्य)

इकाई-1 साकेत - मैथिली शरणगुप्त (नवम सर्ग)

इकाई-2 कामायमी (चिन्ता, श्रध्दा, लज्जा) - जयशंकर प्रसाद
राम की शक्तिपूजा - निराला

इकाई-3 सुमित्रानन्दन पन्त - परिवर्तन, नौका विहार, हिमाद्री मौन निमन्त्रण

इकाई-4 1 कुरुश्रेत्र - दिनकर (षष्टम सर्ग)
2 अज्ञेय - नदि के व्दीप, असाध्य वीणा,
4 मुक्ति बोध - अंधेरे में धूमिल - मोतीराम पठकथा

इकाई-5 लधु प्रश्न . दृतपाठ
1) अयोध्यासिंह उपाध्याय 2) महादेवी वर्मा 3) हरिवंशराय बच्चन
4) नागार्जुन 5) धर्मवीर भारती 6) सर्वेश्वर दयाल सक्सेंना 7) बालकृष्ण शर्मा नवीन
8) गिरिजा कुमार माथुर

सन्दर्भ : साकेत (नवमसर्ग), कामायनी (चिन्ता, श्रध्दा, लज्जा), रामकी शक्ति पूजा
(परिवर्तन, नौका विहार, हिमाद्री मौन निमन्त्रण, कुरुक्षेत्र (षष्टम सर्ग), असाध्य वीणा,

प्रश्न पत्र - 7

काव्यशास्त्र एंव साहित्यालोचन

इकाई-1 हिन्दी काव्यशास्त्र का क्रमिक विकास, संस्कृत काव्यशास्त्र - काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार - कांव्य के उपादान, बिंब, प्रतीक, मिथक कलपना

इकाई-2 आलोचना की परिभाषा - स्वरूप - प्रकार और महत्व हिन्दी के प्रमुख आलोचक - शुक्ल, वाजपेय,हजारी प्रसाद व्दिवेदी नगेन्द्र, रामविलाश शर्मा

इकाई-3 हिन्दी आलोचना के विविध संप्रदाय

1. रस सिध्दांत स्वरुप - रस निष्पत्ति - साधारणीकरण,
2. अलंकार सिध्दांत - मूल स्थापनाए - अलंकारों का वर्गीकरण,
3. रीति सिध्दांत - रीति की अवधारणा, काव्य गुण, रीति शैली प्रमुख स्थापनाएँ
4. वक्रोक्ति सिध्दांत - वक्रोक्ति की अवधारणा, भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजन वाद
5. ध्वनि सिध्दांत - ध्वनि का स्वरुप, ध्वनि की प्रमुख स्थापनाएँ ध्वनि के प्रमुख भेद, व्यंग्य, चित्र, काव्य
6. औचित्य सिध्दांत - प्रमुख स्थापनाएं, भेद

इकाई-4 पाश्चात्य काव्य शास्त्र का क्रमिक विकास

प्लेटो: काव्य सिध्दातं, अरस्तु: अनुकरण सिध्दातं, त्रसदी विवेचन,

लोजाइनस: उदात्त की अवधारणा

वर्डसवर्थ - काव्य भाषा का सिध्दांत

कालरिड्ज - कल्पना सिध्दांत, ललित कल्पना ।

इकाई-5 मैथ्यू अर्नाल्ड: आलोचना का स्वरूप प्रक्रिया

टी.एस.इलियट: परंपरा के परिकल्पना-वैयक्तिक प्रज्ञा - निर्वौक्तिकता का सिध्दांत -

वस्तुनिष्टा - समीकरण संवेदन शीलता का असाहचर्य

ऐ.ए.रिचर्ड्स: रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन

व्यवहारिक आलोचना

पाश्चात्य साहित्य: विविध वाद-आभिजात्य वाद, स्वच्छंदता वाद, अभिव्यंजना वाद, मार्कसवाद, मनोविश्लेषण अस्तित्ववाद

प्रश्न पत्र - 8

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई-1 भाषा की परिभाषा,अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार,समरचना-भषिक प्रकार्य: भाषा विज्ञान स्वरूप-अध्ययन की दिशाएँ: वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक

इकाई - 2 भाषाओं का वर्गीकरण- 1. आकृति मूलक 2. पारिवारिक. स्वन प्रक्रिया: स्वन विज्ञान का रूप और शाखाएँ-वाक् विज्ञान और उनका कार्य-स्वन की अवधारणा स्वनों का वर्गीकरणा-स्वन गुण,स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान के भेद, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप,स्वनिम की अवधारणा,स्वनिम का विश्लेषण

रूप विज्ञान: रूप प्रक्रिया का स्वरूप, शाखाएँ , रूप की अवधारणा और भेद मुक्त,आबध्द,अर्थ दर्शी,संबंध दर्शी, व्याख्याकी अवधारणा, वाक्य की अवधारणा,वाक्य के भेद,वाक्य विश्लेषण, वाक्य संरचना

अर्थ विज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता,अनेकार्थता, विलोमता,अर्थ परिवर्तन -दिशाएं और कारण ।

इकाई - 3 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि: प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं- पालि,प्राकृत,शौरसेनी,अर्धमागधी, मागधी,अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण।

हिन्दी का भौगोलिक विस्तार: हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी,राजस्थानी, बिहारी,तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ,खड़ीबोली,ब्रज और अवधी की विशेषताएं

इकाई - 4 हिन्दी का भाषिक स्वरूप: हिन्दी की स्वानिम व्यवस्था हिन्दी शब्द रचना-उपसर्ग, प्रत्यय,समास। रूपरचना-लिंग,वचन और कारक-व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य रचना: पदक्रम और अन्विति।

इकाई - 5 देवनागरी लिपि: विशेषताएँ और मानकीकरण -> राष्ट्र भाषा, राज भाषा, संपर्क भाषा हिन्दी की कंप्यूटर सुविधाएँ: आंकडा - संसाधन और शाब्द संसाधन,वर्तनी शोधक,मशीनी अनुवाद,हिन्दी भाषा शिक्षण ।

प्रश्न पत्र - 9

विशेषकवि -रामधारी सिंह दिनकर

इकाई-1 दिनकर जीवनी व्यक्तित्व और कृतित्व

इकाई - 2 ऊर्वशी

इकाई - 3 रश्मिरथी

इकाई - 4 कुरुक्षेत्र

इकाई - 5 संस्कृति के चार अध्याय

इकाई - 6 अर्ध नारीश्वर

सन्दर्भ: ऊर्वशी: 3 सर्ग
रश्मि रथी: 6 सर्ग
कुरुक्षेत्र: 4 सर्ग

प्रश्न पत्र - 10

छायांवाद

इकाई-1 छायावाद की पृष्ठ भूमि, विकास, प्रवृत्तियाँ।

इकाई - 2 प्रसाद: लहर (अंतिम तीन कविताएँ: शेरसिंह का शस्त्र समर्पण, पेशोला की प्रतिध्वनी,प्रलय की छाया)

इकाई - 3 निराला: अपरा-प्रथम 10 कविताएँ
(भारतीय वन्दना, जागो फिर एक बार (1), जागो फिर एक बार (2) यामिनी जागी, जुही की कली, सन्ध्या सुन्दरी,पावन करो नयन, शरण मे जनजननी,बादल राग,बसन्त आया

इकाई - 4 पन्त: युगांत 10 कविताएँ (चुनि हुई दस कविताएँ, (1) दृत झरो जगत के जीर्णपत्र (2) गा कोकिल बर्सा पावक कण, (3) झर पद था जीवन डाली से (4) जगती के जनपथ कानन में, (5) बढो अभी चरण धर विश्वास चरण धर, (6) जो दीन हीन पीडित, (7) मंजरित अमरवान छाया में, (8) श्रुति, (9) सन्ध्या, (10) छाय ।

इकाई - 5 महादेवी वर्मा: यामा-प्रथम 10 कविताएँ
(निशा को धो देता राकेश,मैं अनंतपथ में लिखती जो, निश्वासों का नीड़,वे मुस्कराते फूल , घायल मन लेकर सो जाती , जिन नयनों की विपुल नीलिमा,छाया की आँख मिछौनी,घोरतम छाया, था कलि के रूप शैशव, मैं वीरमनि दु:ख की बदली

इकाई - 6 माखन लाल चतुर्वेदी चुनीहुई 10 कविताएँ
(जोडी टूट गई, चरण चले ईमान अचल हो,दूर गई हरियाली,बदरिया थम थम कर झररी, यौवन का पागलपन,घर मेरा हैं ?, जवानी , कैदी और,कोकिला, युग पुरुष, पुष्प की अभिलाषा)